मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.3378

13.03.2020 को उत्तर के लिए

प्रवासी पक्षी

3378. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि प्रवासी पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां भारत में आती हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण उनकी संख्या में गिरावट आई है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या प्रवासी पक्षी भारत में अनुकूल मौसम के अभाव में अन्य ठंडे देशों की ओर जा रहे हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ऐसे पक्षियों के संरक्षण के लिए कोर्य योजना तैयार कर रही है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पक्षी अभयारण्यों के निकट विकास कार्यों के कारण पक्षी पर्यावास में परिवर्तन के कारण बिहार के गोगाबील झील और दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के पक्षी अभयारण्यों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में अत्यधिक गिरावट आई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) सरकार इस बात से अवगत है कि प्रवासी पक्षियों की लगभग 460 प्रजातियाँ भारत में आती हैं, हालाँकि, पक्षियों की प्रजातियों में गिरावट की कोई रिपोर्ट नहीं है।

(ख) इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि पक्षी भारत में अनुकूल मौसम के अभाव में ठंडे देशों की ओर जा रहे हैं।

(ग) प्रवासी पक्षी प्रजातियों और उनके वास-स्थलों के संरक्षण के लक्ष्य के साथ 2018 में एक मध्य एशियाई फ्लाईवे राष्ट्रीय कार्य योजना (2018-23) शुरू की गयी थी।

(घ) से (ङ) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अलग-अलग समयावधियों में प्रवासी पक्षियों की संख्या के घटने-बढ़ने का कोई आकलन नहीं किया है।

****